

अर्थशास्त्र विभाग

राष्ट्रीय वेबिनार

"भारत में उच्च शिक्षा की चुनौतियां एवं अवसर अथवा
राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)"

राजकीय महाविद्यालय बनबसा, (चम्पावत)



शहीद महेंद्र सिंह भाकुनी राजकीय महाविद्यालय, दुगनाकुरी (बागेश्वर)



एवं

एच.एन.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा



के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

प्रस्तावना

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे तीव्र परिवर्तनों एवं नई शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के संदर्भ में दिनांक 30 दिसंबर 2025 को "भारत में उच्च शिक्षा की चुनौतियां एवं अवसर अथवा NEP 2020" विषय पर एक दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय

वेबिनार एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल के रूप में सामने आया। इस वेबिनार का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पहलुओं, इसके क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और भारतीय उच्च शिक्षा के भविष्य के अवसरों पर गहन चर्चा करना था। यह आयोजन विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु शिक्षा, अनुसंधान एवं नीति के अंतर्संबंधों को समझने का एक सशक्त मंच बना। यह राष्ट्रीय वेबिनार, शहीद महेंद्र सिंह भाकुनी राजकीय महाविद्यालय, दुगनाकुरी (बागेश्वर) एवं एच.एन.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस आयोजन का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं था, बल्कि "विकसित भारत" (Developed India) की व्यापक संकल्पना को शिक्षा, नीति और अनुसंधान



के माध्यम से समझना और उसे व्यवहारिक धरातल पर स्थापित करना था।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का महत्व निरंतर बढ़ रहा है, ऐसे में इस प्रकार के वेबिनार उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका को और अधिक प्रासंगिक बनाते हैं।

कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन



इस भव्य आयोजन की सफलता के पीछे उत्तराखंड उच्च शिक्षा के जाने-माने शिक्षाविद और मार्गदर्शक प्रो. विश्वनाथ खाली का विशेष संरक्षण रहा। उनके प्रेरणादायी नेतृत्व और निरंतर मार्गदर्शन की बदौलत ही यह वेबिनार अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहा।

संगठनात्मक नेतृत्व एवं संयुक्त



प्रो. ए.पी. सिंह



प्रो. हरिओम प्रकाश सिंह



प्रो. पंकज कुमार

इस आयोजन की सफलता में नेतृत्व की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और प्रभावशाली बनाने का श्रेय इन प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को जाता है:

- ❖ प्रो. ए.पी. सिंह (राजकीय महाविद्यालय बनबसा, चम्पावत)
- ❖ प्रो. हरिओम प्रकाश सिंह (शहीद महेंद्र सिंह भाकुनी राजकीय महाविद्यालय, दुगनाकुरी, बागेश्वर)
- ❖ प्रो. पंकज कुमार (एच.एन.बी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खटीमा)

इन सभी विशेषज्ञों ने अपने अनुभव, कुशल मार्गदर्शन और उत्कृष्ट नेतृत्व से इस वेबिनार के प्रत्येक सत्र को न केवल सफल बनाया, बल्कि उसे एक नई उंचाई प्रदान की। अलग-अलग संस्थानों के इन दिग्गजों का एक मंच पर साथ आना और मिलकर कार्य करना वास्तव में “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” की परिकल्पना को साकार करता है।

यह संयुक्त सहयोग इस बात का जीवंत उदाहरण है कि जब विभिन्न क्षेत्रों के शिक्षाविद एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तो ज्ञान का प्रसार और अधिक सशक्त एवं व्यापक हो जाता है। उनके इस साझा योगदान ने न केवल

प्रतिभागियों को प्रेरित किया, बल्कि भविष्य के शैक्षणिक आयोजनों के लिए एक बेहतरीन मिसाल भी पेश की।

ज्ञान-विमर्श की मुख्य झलकियाँ

वेबिनार में शिक्षा और नीति के विभिन्न आयामों पर गहन चर्चा हुई—

मुख्य वक्ता संबोधन:

एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (ABC) पर विशेष विमर्श

वेबिनार के मुख्य वक्ता प्रो. दिनेश चंद्र गोस्वामी (समन्वयक, NEP, श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (ABC) पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।



अवधारणा का सरलीकरण: प्रो. गोस्वामी ने ABC की जटिल और तकनीकी अवधारणा को अत्यंत सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार एक बैंक में वित्तीय जमा पूंजी सुरक्षित रहती है, ठीक उसी प्रकार 'एकेडेमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स' छात्रों द्वारा अर्जित 'डिजिटल क्रेडिट्स' को सुरक्षित रखने का एक माध्यम है।

छात्रों के लिए लाभ: उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यवस्था छात्रों

Letter Grade	Description	%Marks Limit	Grade Point
Q	Outstanding	91-100	
A+	Excellent	81-90	
A	Very Good	71-80	
B+	Good	61-70	
B	Above Average	51-60	
C	Average	41-50	
P	Pass	33-40	
F	Fail		
AB	Absent		

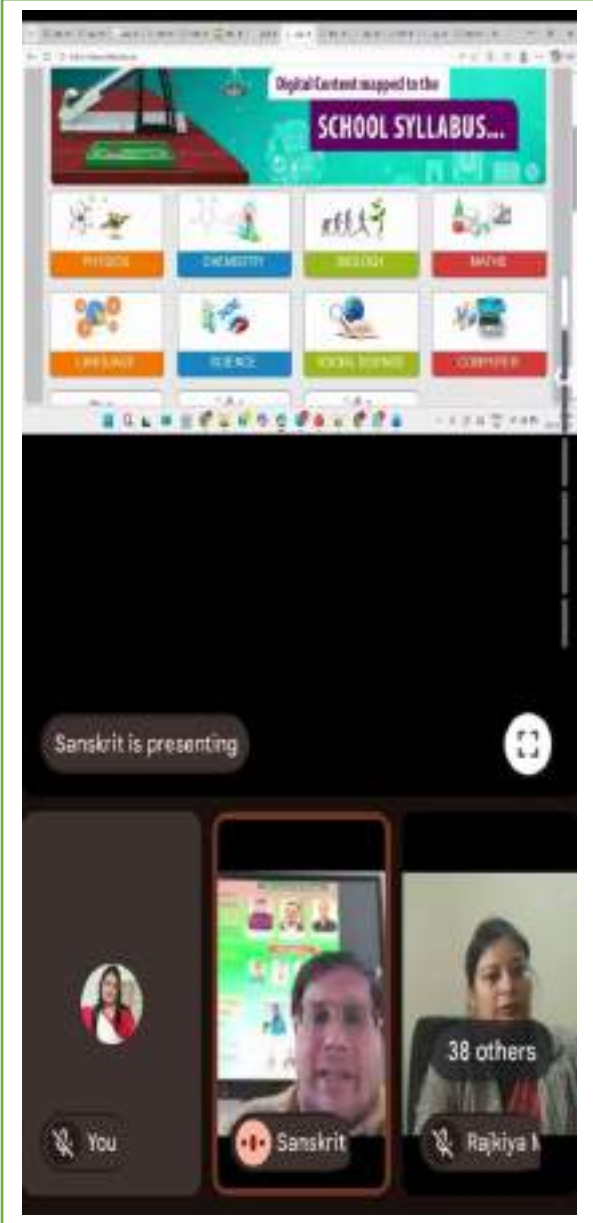
को 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' (Multiple Entry and Exit) की सुविधा प्रदान करती है। यदि कोई छात्र किसी कारणवश अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ता है, तो उसके द्वारा अर्जित क्रेडिट ABC पोर्टल पर सुरक्षित रहेंगे, जिससे वह भविष्य में पुनः अपनी शिक्षा वहीं से शुरू कर सकेगा।

व्यावहारिक पक्ष: उन्होंने इस पोर्टल के संचालन, छात्र पंजीकरण और क्रेडिट हस्तांतरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था न केवल छात्रों की गतिशीलता (Mobility) को बढ़ाएगी बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में लचीलापन और पारदर्शिता भी लाएगी।

प्रो. गोस्वामी के इस सारगर्भित व्याख्यान से प्रतिभागियों को NEP 2020 के इस नए डिजिटल ढांचे को समझने में अभूतपूर्व सहायता मिली।

विशिष्ट वक्ता उदबोधन

वेबिनार के तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ताओं ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के व्यावहारिक पहलुओं पर अत्यंत सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए:



डॉ. विवेक कुमार (सहायक प्रोफेसर):

डॉ. विवेक कुमार ने शिक्षा नीति के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं संभावनाओं का सूक्ष्म विश्लेषण किया। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल साक्षरता और संसाधनों के समान वितरण को एक बड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया। साथ ही, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यदि इन चुनौतियों का समयबद्ध समाधान किया जाए, तो NEP 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली को वैश्विक स्तर पर "ज्ञान की महाशक्ति" के रूप में स्थापित करने की अपार संभावनाएँ रखती है।



डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता (सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी): डॉ. गुप्ता ने अपने संबोधन में नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन (Implementation) पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नीति का सफल निष्पादन केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर शिक्षकों और छात्रों के सक्रिय सहयोग पर निर्भर है। उन्होंने उच्च शिक्षा में बहु-विषयक दृष्टिकोण (Multidisciplinary Approach) को अपनाने की आवश्यकता बताई, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास संभव हो सके।

निष्कर्षतः

दोनों विद्वान वक्ताओं के विचारों ने वेबिनार के विमर्श को एक नई दिशा प्रदान की, जिससे उपस्थित प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों को नीति की बारीकियों को समझने में व्यापक दृष्टि प्राप्त हुई।

दोनों वक्ताओं ने नई शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए, जिससे विमर्श को नई दिशा प्राप्त हुई।

आयोजन सचिव (Organizing Secretary)

आयोजन टीम: कार्यक्रम का सफल संचालन आयोजन सचिवों डॉ. हरेंद्र मोहन सिंह, डॉ. सुशीला आर्या, डॉ. हेमा पाण्डेय एवं संयोजक डॉ. स्वाति टम्टा द्वारा किया गया।

इस राष्ट्रीय वेबिनार के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन में आयोजन सचिवों एवं संयोजक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रही। उन्होंने कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा तैयार करने से लेकर उसके सुचारू संचालन तक प्रत्येक चरण में सक्रिय योगदान दिया।

आयोजन सचिव:



डॉ. हरेंद्र मोहन सिंह डॉ. सुशीला आर्या डॉ. हेमा पांडेय डॉ. स्वाति टम्टा

इन सभी ने आपसी समन्वय, समय-प्रबंधन एवं तकनीकी दक्षता के माध्यम से वेबिनार को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाया। प्रतिभागियों के पंजीकरण, सत्रों के संचालन, तकनीकी व्यवस्थाओं तथा संवाद स्थापित करने में उनकी भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

उनकी प्रतिबद्धता एवं टीम भावना ने इस आयोजन को न केवल सफल बनाया, बल्कि इसे एक प्रेरणादायक एवं अनुकरणीय कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया।

सहभागिता



इस राष्ट्रीय वेबिनार में बड़ी संख्या में विद्वान प्राध्यापकों, प्रबुद्ध शोधार्थियों और ऊर्जावान विद्यार्थियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता और उनके द्वारा पूछे गए तर्कसंगत प्रश्नों ने इस कार्यक्रम को एक सजीव संवाद मंच (Interactive Forum) में परिवर्तित कर दिया। विषय विशेषज्ञों और जिज्ञासु प्रतिभागियों के बीच हुए इस वैचारिक आदान-प्रदान से वेबिनार का उद्देश्य पूर्णतः सफल रहा।

निष्कर्ष

यह वेबिनार इस तथ्य का साक्षी बना कि जब शिक्षण संस्थान जागरूक एवं सक्रिय होते हैं, तो राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सशक्त होती है। नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन की लहर उठी है,

निश्चित ही भारत को “विकसित राष्ट्र” बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।





11:16

0.00 KB/s 5G 77





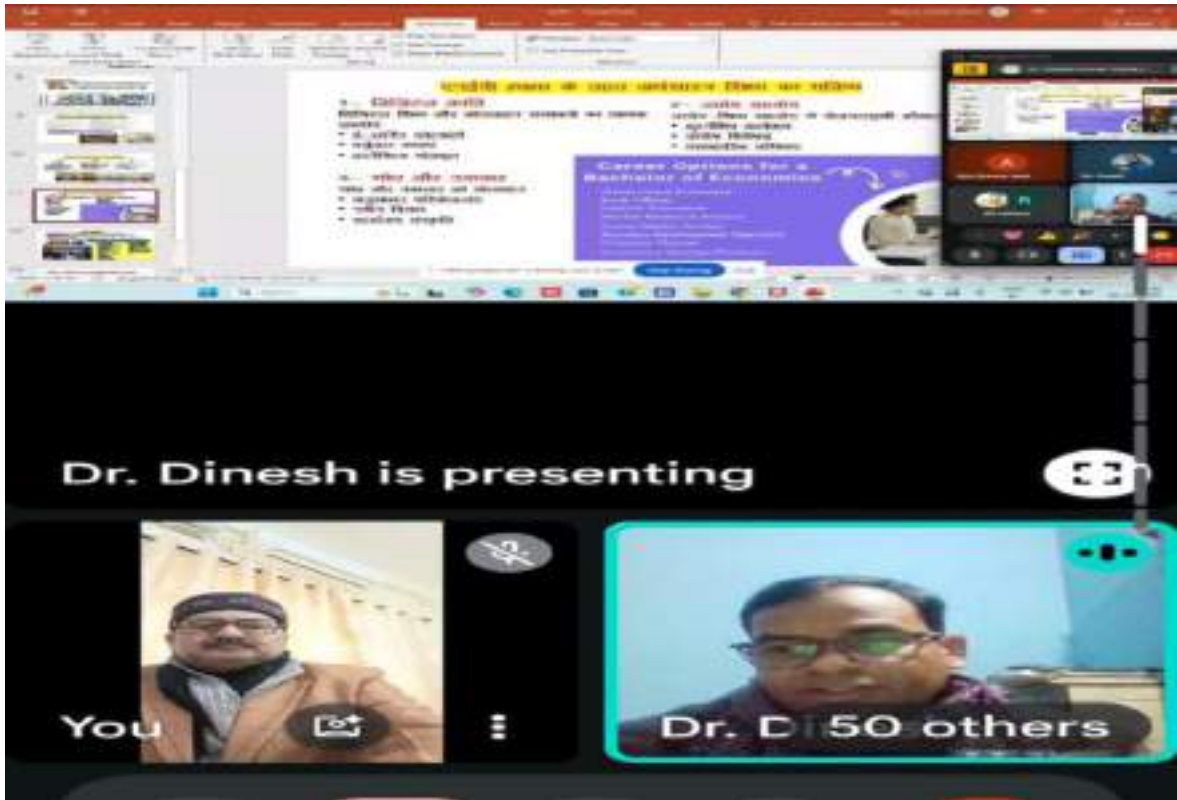
Banbasa Canal Range, Uttarakhand,
India 🇮🇳
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310,
India
Lat 28.989603° Long 80.077855°
Tuesday, 30/12/2025 11:49 AM GMT +05:30



Banbasa Canal Range, Uttarakhand,
India 🇮🇳
X3qh+h64, Banbasa Canal Range, Uttarakhand 262310,
India
Lat 28.989638° Long 80.077873°
Tuesday, 30/12/2025 11:49 AM GMT +05:30









धन्यवाद